मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 45 ■ अंक : 214 ■ बुधवार 19 नवंबर 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

फिल्म धुरंधर का ट्रेलर हुआ रिलीज

शहाड़ ब्रिज पर जल्द ही दौड़ेंगे वाहन

■ डामरीकरण का काम जोरों पर

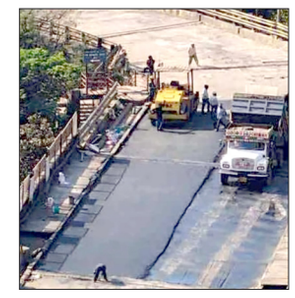

उल्हासनगर. उल्हासनगर और कल्याण शहर को जोड़ने वाले शहाड़ ब्रिज पर डामरीकरण का काम शुरू हो गया है। भाजपा विधायक कुमार आयलानी ने पुल के निरीक्षण के दौरान बताया कि इसी हफ्ते डामरीकरण के बाद पुल को खोल दिया जाएगा। उल्हासनगर और कल्याण शहर को जोड़ने वाला शहाड़ फ्लाईओवर पिछले हफ्ते से मरम्मत और डामरीकरण के लिए बंद है। इस वजह से इस रूट पर यातायात को दूसरे रास्तों पर डायवर्ट किया गया है। पुल की मरम्मत और रंगाई-पुताई के बाद जल्द ही इसे वाहन चालकों के लिए खोल दिया जाएगा।

शनिवार को आयलानी ने शहाड़ ब्रिज का निरीक्षण किया। अगले चार दिनों में डामरीकरण का काम पूरा हो जाएगा। सभी तकनीकी मानकों का पालन करते हुए इंजीनियरों के मार्गदर्शन में पुल पर दिन-रात काम चल रहा है। अधिकारियों ने संकेत दिया कि पुल की मजबूती और सुरक्षा के लिए जल्द ही मरम्मत और रंगाई-पुताई के बाद इसे खोल दिया जाएगा।

नगराध्यक्ष पद के 10 उम्मीदवार मैदान में

अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव

कुल 400 इच्छुकों ने 29 प्रभाग से नामांकन किया दाखिल

■ देर रात तक छाननी शुरू रही

■ कुल 14 नामांकन किए गए थे दाखिल

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद 2025 चुनाव में नगराध्यक्ष पद के 10 उम्मीदवार मैदान में रह गए हैं. कुल 14 नामांकन दाखिल किए गए थे. 29 प्रभाग के 59 वार्ड के लिए कुल 400 उम्मीदवारों ने नामांकन भरा था. कई उम्मीदवारों के नामांकन रद्द हुए हैं. नगराध्यक्ष के लिए 14 नामांकन आए, जिसमें से एक निर्दलीय उम्मीदवार का नामांकन रद्द किया गया. शेष तीन नामांकन उम्मीदवारों ने डबल भरा था. उन्हें अवैध करार दिया गया.

इस तरह चार उम्मीदवारों के नामांकन रद्द किए गए. 10 उम्मीदवारों में से 5 पक्ष के उम्मीदवार हैं.

शिवसेना की ओर से मनिषा अरविंद वालेकर, भाजपा की ओर से तेजश्री करंजुले पाटिल, राकांपा अजित पवार की अश्विनी सचिन पाटिल, कांग्रेस से नूतन प्रदीप पाटिल और महाविकास आघाड़ी से शिवसेना उबाठा की नगराध्यक्ष पद की उम्मीदवार अंजलि राऊत चुनाव मैदान में हैं. शेष पांच निर्दलीय उम्मीदवार हैं. नगराध्यक्ष पद का चुनाव अब दिलचस्प मोड़ पर है.

मनिषा वालेकर और तेजस्विनी करंजुले के बीच तगड़ा मुकाबला होने की संभावना है. पूर्व नगरसेवक मिलिंद पाटिल, विलास जोशी, प्रदीप पाटिल, सदाशिव पाटिल, कबिर गायकवाड़, निखिल वालेकर, बिरजलाल जैसवाल, अब्दुल शेख, याकूब सय्यद, नंदकुमार भागवत आदि के नामांकन पारित हो गए हैं. पूर्व नगरसेवक नासिर कुंजाली का नामांकन रद्द होने की खबर है.

घटिया सीमेंट को 'ब्रांडेड' बनाकर बेचने का पर्दाफाश

उल्हासनगर। उल्हासनगर के हिललाइन थाना क्षेत्र के नेवाली चौकी पर आधी रात को एक चौंकाने वाली साजिश का खुलासा हुआ है, जिसने उपभोक्ताओं और सीमेंट कंपनियों के साथ धोखाधड़ी का पर्दाफाश किया है। हिललाइन पुलिस ने एक ऐसे गिरोह के खिलाफ कार्रवाई की जो खराब सीमेंट को छानकर और अल्ट्राटेक, अंबुजा, अदानी एसीसी, अदानी जैसी नामी कंपनियों के बैगों में भरकर उसे बेचने के लिए तैयार कर रहा था और तीन लोगों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इससे निर्माण क्षेत्र की गुणवत्ता और नागरिकों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। हिललाइन थाने के पुलिस नायक जयेश पाटिल और एक पुलिस दल ने नेवाली चौकी के पास भालपाड़ा गार्डन नेचर होटल के पीछे संदिग्ध गतिविधियाँ देखीं।

सूचना के आधार पर, उन्होंने छापा मारा और खराब सीमेंट को छानकर ब्रांडेड बनाने के गोरखधंधे का पर्दाफाश किया। तीनों आरोपी सुरेश कुमार, रवि किरण, धर्मेंद्र कुमार और अनिल राम विभिन्न कंपनियों के खराब सीमेंट के बैग तोड़कर, बैग से निकले सीमेंट को छलनी से अलग करके, छने हुए सीमेंट को अल्ट्राटेक, अंबुजा, अदानी एसीसी जैसी कंपनियों के बैग में भरकर और उसे 'ब्रांडेड' बताकर बाजार में बेचने के लिए तैयार करके धोखाधड़ी कर रहे थे।

चुनावों की पृष्ठभूमि में शहर में अपराधियों पर नज़र

उल्हासनगर में 4 लोगों पर मकोका

उल्हासनगर. उल्हासनगर में चुनावी माहौल के बीच, चुनाव से ठीक पहले 4 आरोपियों पर मकोका के तहत कार्रवाई की गई है। माना जा रहा है कि पुलिस ने चुनाव की पृष्ठभूमि में शहर में अपराधियों के सफाए का अभियान शुरू कर दिया है।

सितंबर में हनी सिंह नाम के एक अपराधी ने अपने साथियों के साथ गणपति मंडप में जाकर कार्यकर्ताओं को तलवार दिखाकर धमकाया और उनकी जेब से 30,000 रुपये निकाल लिए। इस मामले में सेंट्रल पुलिस स्टेशन में

हरविंदर उर्फ चीकू अजय सिंह लबाना के साथ-साथ हरदीप उर्फ हनी अजय सिंह लबाना, यश उर्फ गोलू विशाल जजवंशी और अनिकेत राजेश कुरील अधिमान के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

सेंट्रल पुलिस द्वारा की गई जांच में पता चला कि गिरोह के सरगना हरविंदर उर्फ चीकू अजयसिंह लबाणा और सदस्य हरदीप उर्फ हनी अजयसिंह लबाणा, यश उर्फ गोलू विशाल जजवंशी और अनिकेत राजेश कुरील ने अपने और गिरोह के लिए वसूली का अपराध किया था। उनकी

आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) लागू करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को प्रस्ताव सौंपा गया था। वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशानुसार इस अपराध में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम, 1999 की धारा जोड़ने की मंजूरी दी गई। तदनुसार, 05 नवंबर 2025 को अपराध में उक्त धाराएं जोड़ दी गई हैं। चीकू लबाणा को छोड़कर अन्य आरोपी तलोजा जेल में हैं। पुलिस चीकू लबाणा की जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लिए 3 दिवसीय शिविर

उल्हासनगर. जिन गरीब महिलाओं के घरों में अब तक रसोई गैस नहीं है, ऐसे लोगों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का लाभ मिल सके इस लिए उल्हासनगर के विधायक कुमार आयलानी ने एक बार फिर से आगामी 20, 21 व 22 नवंबर को शिविर का आयोजन किया है. विधायक के निजी सचिव उमेश सोनार द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पिछले सप्ताह हुए शिविर की अपार सफलता को देखते हुए तथा बाकी रह गई महिलाओं को उज्ज्वला योजना का लाभ दिलाने के लिए विधायक कुमार आयलानी फिर से इस योजना के तहत शिविर लगाने का निर्णय लिया है.

नकली ट्रेडिंग ऐप के ज़रिए बुज़ुर्ग से 28 लाख की ठगी

■ साइबर ठगों का नया जाल

उल्हासनगर. उल्हासनगर में एक बुजुर्ग नागरिक को शेयर बाज़ार में ज़्यादा रिटर्न का लालच देकर 28.05 लाख रुपये की ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। ठगों ने सोशल मीडिया और फ़र्ज़ी व्हाट्सएप ग्रुप पर विज्ञापनों का इस्तेमाल करके इस बड़े घोटाले को अंजाम दिया है।

उल्हासनगर कैंप नंबर 3, सी-ब्लॉक इलाके के इंदर खानचंदानी ने सोशल मीडिया पर एक आकर्षक ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफ़ॉर्म का विज्ञापन देखा। उन्हें 'कम निवेश में बड़ा मुनाफ़ा' देने का लालच देकर एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया। इस ग्रुप में साइबर अपराधियों ने रोज़ाना 'कमाई के स्क्रीनशॉट', 'विशेषज्ञ मार्गदर्शन' और 'प्रीमियम

सिग्नल' का इस्तेमाल करके उनका विश्वास हासिल किया।

धोखाधड़ी का तरीका

21 जुलाई से 14 अगस्त के बीच, एक बुजुर्ग नागरिक से विभिन्न बैंक खातों में किश्तों में 28 लाख 5 हज़ार रुपये ट्रांसफर करवाए गए। शुरुआत में, 'निवेश बढ़ गया है', 'आपका मुनाफ़ा तैयार है' कहकर उन्हें भुगतान के लिए प्रोत्साहित किया गया; हालाँकि, जब खानचंदानी ने अपना मुनाफ़ा वापस माँगा, तो धोखेबाज़ों ने जवाब देना बंद कर दिया और संबंधित वेबसाइट भी अचानक बंद हो गई। इस धोखाधड़ी की स्पष्ट जानकारी मिलने के बाद, इंदर खानचंदानी ने सेंट्रल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात साइबर अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और सहायक पुलिस निरीक्षक दीपाली वाघ मामले की आगे की जाँच कर रही हैं।

नागरिकों से अपील

साइबर पुलिस द्वारा बार-बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद, 'उच्च रिटर्न' का लालच देकर की जाने वाली धोखाधड़ी की संख्या बढ़ रही है। नागरिकों को निवेश करने से पहले ऐसे किसी भी ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म की प्रामाणिकता की पुष्टि करनी चाहिए और अज्ञात व्हाट्सएप ग्रुप पर भरोसा नहीं करना चाहिए।

तलवार-कोयता लेकर 9 लोगों ने किया हमला

■ सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

■ दिल दहला देने वाली घटना

अंबरनाथ. अंबरनाथ में कोयता गैंग ने एक युवक पर हमला किया है। यह कोई साधारण हमला नहीं था, बल्कि उन्होंने उस पर कोयता और अन्य धारदार हथियारों से हमला किया है। इससे अंबरनाथ में कानून-व्यवस्था का मुद्दा सामने आया है। इस हमले में गंभीर रूप से घायल युवक का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस को इस हमले का भीषण सीसीटीवी फुटेज मिला है। इसके आधार पर पुलिस ने जाँच शुरू कर दी है।

फुलेनगर वाड़ी निवासी सुधीर ओमप्रकाश सिंह अपने परिवार के साथ रहता है। उसी इलाके में उसका अस्तबल भी है। वह अपने घर के पास एक दुकान पर टूटी हुई कार की वेल्डिंग का काम कराने गया था। जब वह वहाँ खड़ा था, तभी मोटरसाइकिल पर सवार आठ-नौ

युवकों ने अचानक उस पर हमला कर दिया। हमलावरों के पास तलवार और कोयता जैसे घातक हथियार थे और उन्होंने उसकी जान लेने की नीयत से उस पर हमला किया। इस हमले में सुधीर सिंह की पीठ, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आईं और उन्हें तुरंत उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया। भागते समय हमलावरों ने सुधीर की मोटरसाइकिल भी तोड़ दी। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में साफ दिखाई दे रही है। इस मामले में अंबरनाथ पश्चिम पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने हमलावरों के गिरोह की बड़े पैमाने पर तलाश शुरू कर दी है। शहर में बढ़ती गुंडागर्दी ने नागरिकों में दहशत फैला दी है।

उल्हासनगर में बाबा बागेश्वर धाम के नाम पर वृद्ध महिला को ठगा

वृद्ध महिला से 24 लाख की ठगी में 5 गिरफ्तार, 7 लाख का सामान जब्त

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर के 5 लोगों के एक गिरोह ने 70 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला का विश्वास जीतकर उसे कमरा दिलाने का वादा करके उससे 10 लाख रुपये नकद ठग लिए। इसके बाद, उन्होंने बुजुर्ग महिला को बागेश्वर धाम में एक धार्मिक अनुष्ठान कराने का वादा करके उन्होंने उससे 24 लाख 60 हजार रुपये के सोने के गहने और नकदी ठग ली। इतना ही नहीं, उन्होंने मिठाई में नशीली दवा देकर उससे सोने की चूड़ियाँ भी चुरा लीं और फरार हो गए। विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में उन धोखेबाजों के खिलाफ मामला दर्ज होते ही पुलिस ने सभी पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके पास से लगभग 7 लाख रुपये का कीमती सामान जब्त करने में सफलता हासिल की है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार उल्हासनगर शहर के कैंप क्रमांक-4 इलाके में साईं मेहरवाल पैलेस

में कमरा क्रमांक 202 में 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला अकेली रहती है। जनवरी 2024 से 11 नवंबर 2025 के बीच करिश्मा दुधानी, उषा शर्मा, लवीना शर्मा, साहिल दूध और यश शर्मा ने मिलकर बुजुर्ग महिला को अच्छा कमरा दिलाने का लालच दिया। करिश्मा ने उससे 10 लाख रुपये की नकद राशि ले ली। उसके बाद बागेश्वर धाम में धार्मिक अनुष्ठान और होम प्रसाद का लालच देकर उससे 8 तोला सोना, दस ग्राम हीरे और लगभग 24 लाख 60 हजार रुपये नकद ले लिए। उन्होंने बाबा का यह प्रसाद खा लो कहकर लाई गई मिठाई में बुढ़िया की दवा मिलाकर उसे खाने को दे दी। जब वह बेहोश थी, तब उन्होंने उसके हाथ से 20 ग्राम सोने का कंगन चुरा लिया।

इस मामले में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में पांचों बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक दराडे और उनकी टीम ने इस घटना के सभी पांचों आरोपियों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

कोर्ट ने रेप आरोपी को किया रिहा

ठाणे. ठाणे की एक अदालत ने नाबालिग बताई जा रही एक लड़की से रेप के आरोपी व्यक्ति को बरी कर दिया है। अदालत ने लड़की की उम्र साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत न होने का हवाला देते हुए कहा कि यह रिश्ता लगभग सहमति से बना था। पॉक्सो अधिनियम मामलों की विशेष न्यायाधीश रूबी यू मालवणकर ने 13 नवंबर को अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष 22 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा।

चुनाव से पहले हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद

■ पुलिस भी हैरान

■ कार्रवाई में एक गिरफ्तार!

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली मनपा चुनाव शुरू होने से पहले डोंबिवली के 27 गांवों की सीमा में हथियारों का बड़ा जखीरा मिला है। कल्याण अपराध जांच शाखा ने देसलेपाड़ा इलाके में छापेमारी कर पिस्तौल, जिंदा कारतूस, तलवार, कुल्हाड़ी, खंजर, चाकू समेत अवैध हथियारों का बड़ा जखीरा जब्त किया है और एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। चुनाव की पृष्ठभूमि में मिले इस जखीरे ने पुलिस प्रशासन को भी हैरान कर

दिया है।

इस मामले में देसलेपाड़ा स्थित गोकुलधाम सोसाइटी निवासी रोशन हीरानंद झा (उम्र 36) को गिरफ्तार किया गया है। उसके खिलाफ उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में 12 और टिटवाला पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज है। कल्याण क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अजीत शिंदे ने बताया कि अपराधी को इसी सराय में गिरफ्तार किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, देसलेपाड़ा इलाके में एक व्यक्ति के पास हथियारों का जखीरा था और आशंका थी कि उनका दुरुपयोग किया जा सकता है। सूचना की पुष्टि करने पर यह सच साबित हुई। चूंकि खबर फैलने से पहले कार्रवाई करना ज़रूरी था, इसलिए पुलिस ने तुरंत एक टीम बनाई। गुरुवार शाम लगभग 7:30 बजे टीम ने गोकुलधाम सोसाइटी में छापा मारा, झा को गिरफ्तार किया और हथियार जब्त कर लिए।

ज़ब्त किए गए हथियारों में तीन देसी पिस्तौल, ज़िंदा कारतूस, एक 32 सेमी लंबी तलवार, एक 26 सेमी खंजर, चार 22 सेमी लंबे चाकू और एक 84 सेमी लंबी धारदार तलवार शामिल हैं। ठाणे पुलिस आयुक्तालय ने 3 दिसंबर तक बिना लाइसेंस के हथियारों के कब्जे, भंडारण या इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा रखा है। झा ने इस आदेश का उल्लंघन किया है और मानपाड़ा पुलिस ने उनके खिलाफ अवैध हथियार रखने और उनके संभावित दुरुपयोग के आधार पर मामला दर्ज किया है।

मानपाड़ा थाने के वरिष्ठ निरीक्षक संदीपन शिंदे के मार्गदर्शन में इस मामले की जाँच चल रही है। पुलिस इस बात की जाँच कर रही है कि झा को यह ज़खीरा कहाँ से मिला, वह इसे किसे बेचने वाला था, या क्या इसका इस्तेमाल चुनाव के दौरान होने वाला था।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

पद की गरिमा का रखें ध्यान

किसी भी सरकार में मंत्री या अन्य उच्च पद पर बैठे व्यक्ति की यह अनिवार्य जिम्मेदारी होती है कि वह अपनी राय जाहिर करते हुए संयमित भाषा का इस्तेमाल करे। यों यह दायित्व सभी विवेकवान आम नागरिकों का भी होता है, लेकिन इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि कोई नेता सार्वजनिक रूप से भी ऐसी बात बोलने से नहीं हिचकता, जो न केवल हर दृष्टि से अनुचित है, बल्कि इससे खुद उसकी गरिमा भी कम होती है। मध्य प्रदेश सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री ने राजा राममोहन राय के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए यह सोचना तक जरूरी नहीं समझा कि वे न केवल उनके योगदान को खारिज कर रहे हैं, बल्कि खुद अपनी समझ की सीमा भी जाहिर कर रहे थे।

राममोहन राय को देश जिस रूप में जानता रहा है, उसमें स्वाभाविक ही ऐसे बयान के लिए मंत्री की तीखी आलोचना की गई। मामले के तूल पकड़ने के बाद भले ही मंत्री ने अपने शब्दों के लिए माफी मांग ली, लेकिन इससे एक बार फिर यही जाहिर हुआ कि महज सुर्खियों में बने रहने के लिए कैसे कुछ नेता किसी मसले पर विवाद खड़ा करने से नहीं हिचकते।

सवाल है कि राज्य सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री के पद पर होने के बावजूद क्या उन्हें इतिहास के उस अध्याय के बारे में जानकारी नहीं थी कि राममोहन राय अपने किन योगदानों के लिए जाने जाते हैं। भारत में समाज सुधार आंदोलन में पुनर्जागरण से लेकर सती प्रथा को खत्म कराने के लिए विख्यात राममोहन राय के बारे में एक मंत्री किसी भी स्थिति में अगर आपत्तिजनक राय जाहिर करता है, तो उसे कैसे देखा जाना चाहिए? क्या यह अपने ही नायकों को अपमानित करने का प्रयास नहीं माना जाएगा?

अफसोस की बात यह है कि इस तरह बिना सोचे-समझे बयान देने वाले मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री अकेले नहीं हैं। इस तरह बेलगाम बोल का सहारा लेकर चर्चा बटोरने वाले नेताओं को न तो अपनी और न ही अपने पद की गरिमा का ध्यान रखना जरूरी लगता है। जबकि आम जनता के मुकाबले किसी ऊंचे पद पर बैठे व्यक्ति की यह जिम्मेदारी ज्यादा हो जाती है कि वह सार्वजनिक विचारों से एक आदर्श सामने रखे, न कि लापरवाह होकर ऐसी बातें बोले, जिसके लिए उसे माफी मांगनी पड़े।

विचार : वामपंथी सोच के शिकंजे में कांग्रेस

बिहार की 243 सीटों वाली विधानसभा में कांग्रेस 61 सीटों पर चुनाव लड़ी और सिर्फ छह सीटें हासिल कर सकी, फिर भी राहुल की वैचारिकी और रणनीति पर पार्टी में सवाल नहीं उठ रहा है। राहुल बिहार में इसलिए नाकाम हुए, क्योंकि वह अपना संदेश लोगों तक नहीं पहुंचा सके। राजनीति में प्रतीकों के जरिए लोक संदेश की स्थापित परंपरा है। शीर्ष नेताओं का आम लोगों से रस्मी मिलना-जुलना उनकी सदाशयता और सादगी के प्रतीक के रूप में स्थापित हो गया है। किसी हस्ती का सामान्य दिखना और आम लोगों जैसे काम करना वोटरों के समर्थन की गारंटी माना जाता रहा है। यही वजह है कि राहुल गांधी जब भी ऐसा करते हैं, उनसे उम्मीदें बढ़ जाती हैं। यह बात और है कि राजनीति में कामयाबी पाने का यह टोटका कांग्रेस के लिए मुफीद नहीं रहा है।

बिहार में राहुल गांधी ने आम आदमी बनने की कई कोशिशें कीं। 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान मोजे पहने ही मखाने के पानी भरे खेत में वे उतरे और बाद में चुनाव प्रचार के दौरान मुकेश सहनी के साथ मछली पकड़ने के लिए तालाब में उतर गए। राहुल जब ऐसा करते हैं तो बौद्धिकों का एक तबका इसे अभूतपूर्व कदम साबित करने लगता है। हरियाणा चुनाव के दौरान सोनीपत में जब राहुल गांधी ने धान-रोपाई की और ट्रैक्टर चलाया, तब भी ऐसी ही उम्मीदों के पंख लग गए थे। 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दोनों चरणों में भी ऐसे कई सारे नजारे दिखे। तब एक वर्ग की नजर में राहुल गांधी की ऐसी कोशिशों से

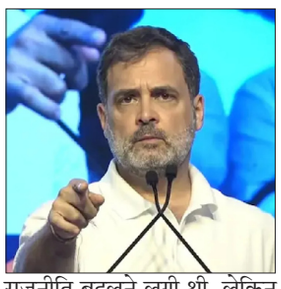

राजनीति बदलने लगी थी, लेकिन तेलंगाना छोड़, उनके ऐसे कदमों का कोई चुनावी फायदा नहीं मिला। सवाल है कि राहुल गांधी के इन लोक लुभावन कदमों के बावजूद लोग कांग्रेस के साथ क्यों नहीं खड़ा हो रहे?

स्वाधीनता आंदोलन की प्रतिनिधि पार्टी रही कांग्रेस अखिल भारतीय संगठन है। वह इस पर गर्व कर सकती है, लेकिन संगठन को गतिशील बनाने वाले सही मुद्दों और लोकमर्म को छूने वाले विचारों से वह लगातार दूर हो रही है। राहुल गांधी उन्हीं मुद्दों को ज्यादा उछालते हैं, जिन्हें उनके वामपंथी सलाहकार सुझाते हैं। बौद्धिक और अकादमिक जगत इससे चाहे जितना भी आकर्षित हो, जमीनी स्तर पर वे मुद्दे अस्वीकार्य हो चुके हैं। निजीकरण की कुछ खामियां हैं, लेकिन भूलना नहीं होगा कि निजीकरण ने चमक-दमक भी बढ़ाई है। भले ही एक वर्ग तक निजीकरण की रोशनी नहीं पहुंच सकी है, लेकिन उस वर्ग का भी सपना चमक को हासिल करना है। वामपंथी वैचारिकी इसे नहीं समझती। वह जाहिर करती रही है कि अतीत की तरह अब भी समूचा देश अंधेरे में डूबा है। इन्हीं वामपंथी सलाहकारों के कारण कांग्रेस के अंदरूनी हालात ऐसे बन गए हैं कि कुछ वरिष्ठ नेता पार्टी को उबारने को लेकर राय देने का साहस नहीं जुटा पा रहे हैं। उन्हें डर ये है कि कड़वी दवा सुझाना उनके लिए हानिकारक हो सकता है। लिहाजा वे राय देने से बच रहे हैं।

कांग्रेस आलाकमान के तमाम सलाहकारों का सामाजिक सोच जमीनी हकीकत के बजाय वामपंथी दर्शन से ज्यादा प्रभावित है। इसके अनुसार ऊंच-नीच और जात-पांत का विचार समूचे देश में एक जैसा है, लेकिन यह अधूरा सच है। जातिवाद देश की एक कड़वी सच्चाई है, लेकिन आज जाति और मजहब के संदर्भ में समूचे देश को एक फार्मूले से समझना संभव नहीं। राहुल गांधी के सलाहकारों की टीम उन्हें इसी फार्मूले पर बार-बार आगे बढ़ने का सुझाव देती है और वह एक ही गलती दोहराते जा रहे हैं। समूचा देश न तो एक तरह से सोचता है, न ही उसका एक-सा व्यवहार है। शीर्ष नेतृत्व की सलाहकार मंडली अलग-अलग हिस्सों की माटी के रंग, व्यवहार और विचार से बहुत दूर है।

राहुल गांधी को इंदिरा गांधी से सीखना चाहिए। भारतीय समाज को लेकर इंदिरा की समझ गहरी थी। यही वजह है कि वक्त और इलाके की परंपरा के मुताबिक किसी इलाके में ठेठ बहू बन जाती थीं तो किसी इलाके में आधुनिक महिला। कुछ इलाकों में वे अपने सिर पल्लू रखती थीं तो कुछ इलाकों में नहीं। आज इंदिरा रहतीं और वैसा करतीं तो शायद कांग्रेस के मौजूदा सिपहसालारों की नजर में वे दकियानूस मान ली जातीं। स्वाधीनता आंदोलन के दौरान कांग्रेस की छतरी तले कई विचारधाराएं काम कर रही थीं।

जब हमारे विचार प्रभु के दिव्य प्रेम से भर जाते हैं, तो हमारे वचन और कार्य भी मीठे और प्रेमपूर्ण हो जाते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

दुर्घटना के बाद बड़ी चुनौती मृतकों की पहचान

सऊदी अरब के मदीना में रविवार देर रात को हुई भीषण बस दुर्घटना रोंगटे खड़े कर देने वाली है। इसमें चालीस से अधिक भारतीय जायरीनों की जान चली गई। यह हादसा इतना भयानक था कि बस में सवार यात्री तेल टैंकर से हुई टक्कर के बाद लगी आग में बुरी तरह जल गए। अब उनकी पहचान करना मुश्किल है। हालांकि इस हादसे के कारणों का खुलासा अभी नहीं हुआ है, लेकिन सवाल है कि विदेश में धार्मिक यात्रा पर जाने वाले लोगों की सुरक्षा का दायित्व किसका है?

हादसे का तर्क जिम्मेदारियों के कई सवालों को पीछे धकेल देता है। मगर यह सच है कि धार्मिक पर्यटन से विभिन्न देश हर वर्ष अच्छी-खासी कमाई करते हैं, तो फिर विदेशी श्रद्धालुओं की यात्रा को सुलभ एवं सुरक्षित बनाने की ओर उनका ध्यान क्यों नहीं जाता है! इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि विभिन्न स्तर पर बरती जाने वाली लापरवाही श्रद्धालुओं की जान पर भारी पड़ सकती है।

खबरों के मुताबिक, मदीना में बस दुर्घटना में जान गंवाने वाले ज्यादातर लोग तेलंगाना के निवासी थे। ये सभी नौ नवंबर को यहां से उमराह के लिए जेद्दा गए थे और उन्हें 23 नवंबर को वापस

आना था। इस हादसे के बाद रियाद स्थित भारतीय दूतावास और जेद्दा में वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने सक्रियता दिखाई, लेकिन यही सक्रियता अगर इन भारतीय जायरीनों के सुरक्षा बंदोबस्त को लेकर पहले दिखाई होती तो शायद इस हादसे से बचा जा सकता था।

दुर्घटना के बाद सबसे बड़ी चुनौती मृतकों की पहचान को लेकर खड़ी हो गई है। परिजनों को यह मालूम ही नहीं हो पा रहा है कि उनके परिवार के सदस्य जिंदा हैं या नहीं। कहा जा रहा है कि कई परिवारों के चार से सात सदस्य इस बस में सवार थे। राज्य सरकार अब मृतकों के परिवारों से एक-एक व्यक्ति को सऊदी अरब भेजने की तैयारी कर रही है, ताकि शवों की पहचान कर उन्हें भारत वापस लाया जा सके।

गौरतलब है कि हर साल दुनिया भर से मुसलिम समुदाय के लाखों लोग हज यात्रा के लिए मक्का-मदीना जाते हैं। सऊदी अरब की सरकार हर देश को उसकी मुसलिम आबादी के हिसाब से एक निर्धारित हज कोटा देती है। इसी कोटे के जरिए तय होता है कि किस देश से कितने लोग इस पाक यात्रा पर जा सकते हैं। एक रपट के मुताबिक, भारत से हर वर्ष 1.75 लाख से ज्यादा लोग हज पर जाते हैं। इसी तरह उमराह के लिए भी हर वर्ष यहां से हजारों लोग मक्का-मदीना जाते हैं।

हज यात्रा वर्ष में एक बार होती है, जबकि उमराह कभी भी किया जा सकता है। मगर इन जायरीनों के लिए सुरक्षा इंतजामों का अभाव साफ नजर आता है। न तो उनकी यात्रा के लिए कोई विशेष सड़क मार्ग चिह्नित किया जाता है और न ही रास्ते में उनके ठहरने की माकूल व्यवस्था होती है। कायदे से यह भारतीय अधिकारियों की भी जिम्मेदारी है कि वे अपने देश के नागरिकों की धार्मिक यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए सउदी अरब के संबंधित प्राधिकारियों से नियमित संपर्क में रहें। बहरहाल, मदीना में जो हादसा हुआ है, उसकी हर कोण से जांच की जानी चाहिए। दोषियों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए दोनों देशों की सरकारों को गंभीरता दिखानी होगी।

बेहद दुर्लभ होता है इस पक्षी का घोंसला

जरा हट के

बिहार के इकलौते टाइगर रिज़र्व वाल्मीकि में कुछ ऐसी पक्षियों का भी निवास है, जिन्हें अन्य पक्षियों की तुलना में बेहद खास माना जाता है. इनकी कारीगरी का नमूना देख ऐसा लगेगा कि कुदरत ने इन्हें बेहद ही दुर्लभ गुणों से नवाजा है. यही कारण है कि इन्हें जंगल की दुनिया में विश्व स्तरीय इंजीनियर के रूप में जाना जाता है.

इल्ड लाइफ एक्सपर्ट्स बताते हैं इसका एकमात्र कारण है उनके द्वारा बनाए गए घोंसले. जी हां! ये पक्षी कोई और नहीं, बल्कि बया है, जिनके घोंसले अन्य सभी पक्षियों की तुलना में बिल्कुल अलग और बेहद आकर्षक होते हैं. ये पक्षी घोंसले को कुछ इस तरीके से डिजाइन करती है कि कोई सरीसृप भी उन्हें न ढूंढ सके.

क़रीब 25 वर्षों से वाइल्ड लाइफ पर कार्य कर रहे नेचर एनवायरमेंट एंड वाइल्ड लाइफ सोसाइटी के प्रोजेक्ट मैनेजर

अभिषेक बताते हैं कि, बया एक ऐसी पक्षी है जिसे उसके घोंसले की उम्दा कारीगरी के लिए जाना जाता है.

जहां अन्य पक्षी घांस–फूस और पतले तिनकों से कटोरे की आकृति में घोंसले को तैयार करते हैं, वहीं बया पक्षी लैंप के शीशे की आकृति में ऐसे घोंसले को बुनती है, जिसमें दो दरवाज़े होते हैं. जानकार बताते हैं कि सुनने में ये जितना सरल लग रहा है, हकीकत में ये उतना ही जटिल और आश्चर्यजनक होता है.

दरअसल, घोंसले का एक दरवाज़ा निकलने और घुसने के लिए डिजाइन किया जाता है, जबकि दूसरा दरवाज़ा ख़ुफ़िया होता है. इसका इस्तेमाल शिकारियों से बचाव के लिए किया जाता है. पक्षियां इस दरवाज़े को कुछ ऐसे डिजाइन करती हैं जिसे कोई सरीसृप भी नहीं ढूंढ पाता है.

पेड़ की टहनियों पर लटके छोटे से घोंसले में ऐसी कारीगरी इन पक्षियों को उम्दा कारीगरों की श्रेणी में शामिल करती है. इतना ही नहीं, ये पक्षी घोंसला तैयार करने के बाद उसमें रौशनी के लिए जुगनूओं को पकड़कर डालते हैं. रात में जुगनूओं की जगमगाहट से ऐसा लगता है मानो पेड़ पर लटका कोई लैंप जल रहा हो.

सीताफल कुनाफा पुडिंग

खाना-खजाना

इस मौसम में सीताफल खूब मिल रहा है। ज्यादातर लोग इसे खाना पसंद करते हैं। हालांकि, कुछ लोगों को ये फल तो पसंद होता हैं, लेकिन इसे खाने का तरीका अच्छा नहीं लगता। ऐसे में आप उनके लिए इससे बनी पुडिंग तैयार कर सकते हैं। ये पुडिंग मेहमानों को भी सर्व की जा सकती हैं। आइए, जाते हैं इसे बनाने का तरीका।

सामग्री :

- फुल क्रीम दूध
- 1 चम्मच मक्खन
- 2 बड़े चम्मच कस्टर्ड पाउडर
- 1 कप सेवई
- 2 बड़े चम्मच पिस्ते
- 1 छोटा कप कंडेंस मिल्क
- 1 बड़ा कप सिताफल का गूदा

विधि :

इसे बनाने के लिए एक बाउल में कस्टर्ड पाउडर और थोड़ा दूध डालकर अच्छी तरह मिला लें। इसके अलावा एक ब्लेंडर में कस्टर्ड एप्पल पल्प डालकर अच्छी तरह ब्लेंड कर लें। फिर पैन में 1 बड़ा चम्मच मक्खन गर्म करें और इसमें सेवइयां डालकर भून लें। इससे भनने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। ये 2 से 3 मिनट के अंदर भुन जाएगा। फिर इसमें 2 बड़े चम्मच पिस्ता, कंडेंस्ड मिल्क

डालें। इसे 3-4 मिनट तक पकाएं और फिर आंच से उतारकर एक तरफ रखें। अब एक भारी कड़ाही लें और उसमें आधा लीटर दूध डालें और उबाल लें। इस दूध में थोड़ा कंडेंस्ड मिल्क डालें और 4-5 मिनट तक पकने दें। अब तैयार किए कस्टर्ड दूध को इसमें डालें और 5-6 मिनट तक पकाएं। इसे आंच से उतारकर 10-15 मिनट तक ठंडा करें। फिर एक बाउल में तैयार कस्टर्ड मिक्स, ब्लेंड किया हुआ सीताफल पल्प डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब इसे 3 - 4 घंटे के लिए फ्रिज में रखें। अब एक कांच की कटोरी लें और इसमें एक लेयर भुनी हुई सेवइयां की लगाएं। इसके ऊपर तैयार की हुई सीताफल पुडिंग डालें। अब फिर से कुछ भुनी हुई सेवइयां डालें और पिस्ते से गार्निश करें और सर्व करें।

क्या खड़े होकर पानी पीने से खराब हो जाते हैं घुटने?

- **डॉक्टर से जानिए इस दावे में कितनी सच्चाई**

शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए पौष्टिक आहार के साथ नियमित रूप से कम से कम तीन-चार लीटर पानी पीते रहने की सलाह दी जाती है। सभी उम्र वालों के लिए ये जरूरी है। जितना जरूरी नियमित अंतराल पर पानी पीते रहना है उतना ही जरूरी है सही तरीके से पानी पीना।

डॉक्टर कहते हैं, पानी हमेशा आराम की मुद्रा में बैठकर और धीरे-धीरे पानी चाहिए। पानी पीने के तरीके को लेकर सोशल मीडिया एक पोस्ट वायरल है जिसमें कहा जा रहा है अगर आप खड़े होकर

पानी पीते हैं तो इसके कारण शरीर को कई नुकसान हो सकते हैं।

वायरल पोस्ट में कहा जा रहा है कि अगर आप खड़े होकर पानी पीते हैं तो इससे घुटनों पर असर हो सकता है। इस आदत के कारण आर्थराइटिस होने का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। क्या वास्तव में ऐसा है? क्या खड़े होकर पानी पीना सेहत के लिए नुकसानदायक है? आइए इस बारे में जानते हैं।

सोशल मीडिया पर कहा जा रहा है कि खड़े होकर पानी पीने से जोड़ों को नुकसान पहुंचता है। पानी सीधे घुटनों पर जमा होने लगता है जिससे आगे चलकर आर्थराइटिस होने का जोखिम बढ़ जाता है। इससे हृदय और फेफड़ों की समस्याएं भी हो सकती हैं। ये आदत किडनी को नुकसान पहुंचती है क्योंकि पानी बिना किसी फिल्टरेशन के शरीर से बाहर निकल जाता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

वरिष्ठ आर्थोपेडिक डॉ राजेश चट्टे कहते हैं, इस बात का कोई सबूत नहीं है कि खड़े होकर पानी पीने से घुटनों को कोई नुकसान पहुंचता है। जोड़ों को नुकसान तब होता है जब जोड़ के हिस्से जैसे कार्टिलेज, लिगामेंट या हड्डी घिसने लगते हैं या इनमें किसी वजह से चोट लग जाती है। जोड़ों की समस्याओं का सबसे आम कारण ऑस्टियोआर्थराइटिस है, जो हड्डियों को सहारा देने वाले सुरक्षात्मक कार्टिलेज के घिसने की वजह से होता है। ये एक कुशन की तरह काम करता है जो हड्डियों को एक दूसरे से टकराने से बचाता है।

फिर कैसे फैली ये मिथ जानकारी?

डॉक्टर कहते हैं, खड़े होकर पानी पीने से जोड़ों को नुकसान होने की बात संभवत: पारंपरिक या सांस्कृतिक प्रथाओं से उत्पन्न हुई होगी। संभवत: इस डर के माध्यम से लोगों को उचित मुद्रा में बैठने, धीरे-धीरे पानी पीने और पाचन को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया गया होगा।

आमतौर पर बैठकर पानी पीना स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है। यह पाचन और समग्र स्वास्थ्य को ठीक रखने में भी सहायक है। हालांकि ऐसा कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि खड़े होकर पानी पीने से जोड़ों को नुकसान होता है।

आज का राशिफल

मेष : सामाजिक कार्य करने के प्रति रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में चैन बना रहेगा। सही काम का भी विरोध होगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। कोई बड़ी समस्या बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

वृषभ : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। झंझटों में न पड़ें। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। परिवार में प्रसन्नता रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी।

मिथुन : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐश्वर्य के साधनों पर सोच-समझकर खर्च करें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि बाद में पछताना पड़े। दूसरे अधिक अपेक्षा करेंगे। नकारात्मकता हावी रहेगी। शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कर्क : कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्त्री वर्ग से सहायता प्राप्त होगी। नौकरी व निवेश में इच्छा पूरी होने की संभावना है। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रुभय रहेगा।

सिंह : आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी। नौकरी में मनोनुकूल स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट आदि से बड़ा फायदा हो सकता है। परिवार की चिंता बनी रहेगी। खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

कन्या : किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। झंझटों में न पड़ें।

तुला : प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। दूसरों के बहकावे में न आएं। फालतू बातों पर ध्यान न दें। लाभ में वृद्धि होगी। शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की बाधा दूर होगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि तथा सम्मान में वृद्धि होगी। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें।

धनु : दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। सही काम का भी विरोध हो सकता है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें। किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें।

मकर : कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कुंभ : दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। यश बढ़ेगा। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है या समय पर नहीं मिलेगी।

मीन : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। फालतू की बातों पर ध्यान न दें। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार-व्यवसाय की गति बढ़ेगी। चिंता रह सकती है। थकान रहेगी। प्रमाद न करें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

उबालते समय फूट जाते हैं अंडे?

- **पानी में डाल दें 1 चम्मच ये लिक्विड**
- **छिलके क्रैक होंगे तो भी पानी नहीं होगा गंदा**

कहते हैं संडे हो या मंडे रोज खाओ अंडे. जी हां, ये बात सभी भी है, क्योंकि अंडा प्रोटीन से भरपूर होता है. यह मांसपेशियों, आंखों आदि को हेल्दी रखता है. मसल्स को स्ट्रॉन्ग बनाता है. हालांकि, कुछ लोगों को लगता है कि अंडा नॉनवेज फूड है, लेकिन ऐसा नहीं है. कुछ लोग नाश्ते में ऑमलेट खाते हैं तो किसी को उबले हुए अंडे खाना अच्छा लगता है. कई बार ऐसा होता है कि जैसे ही अंडे को उबालने के लिए पानी में

डालकर गैस पर रखते हैं तो कुछ अंडे टूट जाते हैं. फिर अंडे का अंदर का सारा पीला और सफेद हिस्सा बाहर आने लगता है. इससे पानी भी गंदा हो जाता है. आपके साथ भी ऐसा होता है? अंडे उबालने जाते हैं तो छिलके क्रैक हो जाते हैं और अंदर का माल पानी में आधा बह जाता है. फिर खाने के लिए कुछ सही से बचता ही नहीं. चलिए अब जब भी आप अंडे उबालें तो पानी में ये एक चीज जरूर डाल दें.

अंडे उबालने का सही तरीका

जब भी आप एक साथ 7-8 अंडे उबालते हैं तो ये कई बार स्पेस कम होने के कारण आपस में टकरा कर भी हल्के क्रैक हो जाते हैं. कई बार खराब या पुराने अंडे भी जल्दी टूट जाते हैं. इनका स्वाद भी खाने में सही नहीं लगता है. शेफ पंकज भदौरिया का कहना है कि आप जब भी अंडे उबालें तो पानी में एक बड़ा चम्मच सफेद सिरका डाल दें. अंडे उबलेंगे लेकिन छिलकों में कोई दरार नहीं आएगी. इससे अंडे सही से उबल जाएंगे. आप इन उबले अंडों को खाएं या फिर अंडा करी बनाएं. परफेक्ट शेफ रहेगा.

बच्चों के शारीरिक विकास में रुकावट बन सकता है ज्यादा मोबाइल देखना

- **हड्डियों पर पड़ता है गहरा असर**
- **स्मार्टफोन की ब्लू लाइट शारीरिक विकास में बाधा बन सकती है।**

बच्चे न रोएं इसके लिए लोग आजकल उनके हाथ में मोबाइल थमा देते हैं, लेकिन इसका कितना गलत प्रभाव उनपर पड़ सकता है वह यह सोच भी नहीं सकते। आजकल स्मार्टफोन बच्चों के जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। बचपन से ही उन्हें फोन की आदत लग जाती है, जिसे बाद में छुड़ाना बहुत मुश्किल हो जाता है। इसके कारण उनकी सेहत पर काफी बुरा प्रभाव पड़ता है। आमतौर हम मानते हैं कि इससे सिर्फ आंखों पर प्रभाव पड़ता है, लेकिन इतना ही नहीं है। इसका असर बच्चों के शारीरिक विकास पर भी पड़ सकता है। जी हां, हाल ही में एक शोध में यह बात सामने आई है।

चूहों पर किए गए एक शोध में पता चला है कि लंबे समय तक स्मार्टफोन या टैबलेट से निकलने वाली ब्लू लाइट के संपर्क में रहने से हड्डियों की वृद्धि तेज हो जाती है और हड्डियों की उम्र बढ़ जाती है,

जिससे समय से पहले यौवन आने की संभावना बढ़ जाती है। तुर्किये में गाजी यूनिवर्सिटी के प्रमुख शोधकर्ता डॉ. आयलिन क्लान्क ने कहा कि यह दिखाने वाला पहला अध्ययन है कि मोबाइल से निकलने वाली ब्लू लाइट शारीरिक वृद्धि और विकास को कैसे प्रभावित कर सकती है। डाटा बताता है कि ब्लू लाइट के लंबे समय तक संपर्क में रहने से शारीरिक विकास तेज हो जाती है।

जब बच्चे बड़े होते हैं तो उनमें फीमर जैसी लंबी हड्डियां विकसित होती हैं, जो धीरे-धीरे दोनों छोर पर लंबी होती जाती हैं। यह अंत में ठोस हो जाती है और लंबाई में वृद्धि को रोक देती है। लड़कियां जहां 14 से 16 वर्ष की आयु के बीच अपनी अधिकतम ऊंचाई तक पहुंचती हैं, वहीं लड़के 16 से 18 वर्ष की आयु के बीच अपनी वृद्धि पूरी कर लेते हैं। हालांकि, हाल के अध्ययनों ने लड़कियों और लड़कों दोनों में समय से पहले यौवन में वृद्धि की ओर इशारा किया गया है। अध्ययनों से पता चलता है कि बच्चे शुरू में तो जल्दी बढ़ते हैं, लेकिन अक्सर सामान्य समय से पहले ही बढ़ना बंद कर देते हैं। उगुरलू ने कहा कि इसका एक कारण ब्लू लाइट उत्सर्जित करने वाले उपकरणों का बढ़ता उपयोग हो सकता है। इसका मतलब है कि उनकी हड्डियां बहुत जल्दी परिपक्व हो गईं, जिसके कारण वह अपनी सामान्य लंबाई से छोटे हो सकते हैं।

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

कानपुर एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर बस पलटी, भीषण हादसे में तीन की मौत और 24 घायल

कानपुर. आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर यूपी के कानपुर में अरौल के पास सोमवार देर रात करीब तीन बजे दिल्ली से बिहार सीवान यात्री लेकर जा रही डबलडेकर बस अरौल के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। जिसमें एक सात साल का बच्चा भी है। और 24 लोग घायल हो गए। वहीं, बस चालक और परिचालक कूदकर भाग गए। इंस्पेक्टर अरौल जनार्दन यादव के मुताबिक करीब तीन बजे कंट्रोल रूम से एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर बस पलट जाने की सूचना मिली थी। वह फोर्स के साथ फौरन मौके पर पहुंचे।

करंट लगने के बाद लाइनमैन की मौत

शाहजहांपुर. यूपी के शाहजहांपुर में कलान के बाला जी वार्ड में शनिवार शाम काम के दौरान करंट लगने से घायल हुए लाइनमैन स्वदेश यादव (25) की सोमवार देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की जानकारी मिलते ही परिजन मंगलवार तड़के शव लेकर एमएफ हाईवे पर पहुंच गए और सड़क पर ही रखकर जाम लगा दिया। परिजनों ने लाइन चालू रखने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग करते हुए मुआवजा देने की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार स्वदेश शनिवार को उपभोक्ताओं के लिए केबल जोड़ने का काम कर रहा था। मौके पर चार फीडरों की क्रॉसिंग थी। तीन फीडरों पर शटडाउन लिया गया था, जबकि एक फीडर चालू बताया जा रहा है।

दोस्त बन दंपति ने डेढ़ करोड़ रुपये हड़पे

आगरा. यूपी के आगरा में दोस्ती के नाम पर दंपति पर डेढ़ करोड़ से अधिक रुपये हड़पने का आरोप लगाते हुए पीड़ित ने अदालत के आदेश पर सिकंदरा थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। दंपति पर गाली गलौज करने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। मामले में जांच शुरू कर दी गई है। पीड़ित ने कहा कि दंपति ने पहले दोस्ती की फिर करोड़ों की ठगी कर ली। मामले में मिली जानकारी के अनुसार अदालत में मुकदमा सिकंदरा निवासी पीड़ित हिमांशु गुप्ता ने दर्ज कराया है। इसमें धूलियागंज, कोतवाली निवासी विनोद कुमार और उनकी पत्नी नीरू यादव को नामजद किया गया है। दोनों पति-पत्नी पर 1,50,66,980 रुपये हड़पने का आरोप लगाया है।

आरक्षण की लिमिट 50% के पार ना हो, वरना चुनाव ही रोक देंगे

■ **सुप्रीम कोर्ट की सख्त नसीहत**

नई दिल्ली. आरक्षण से जुड़े मामले पर सुनवाई कर रहे सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को चुनाव पर रोक तक लगाने की चेतावनी दे दी है। अदालत ने सोमवार को साफ कर दिया है कि स्थानीय निकाय चुनावों में आरक्षण 50 प्रतिशत से ज्यादा की अनुमति नहीं दी जाएगी। खास बात है कि अदालत की तरफ से चेतावनी ऐसे समय पर आई है, जब निकाय चुनाव के लिए दाखिल नामांकन पत्रों की जांच मंगलवार से शुरू हो रही है। जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाला बगची की बेंच सुनवाई कर रही थी।

■ **कोर्ट में क्या कहा गया**

सीनियर एडवोकेट विकास सिंह ने कहा कि कुछ निकाय ऐसे हैं, जहां OBC यानी अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए 27 आरक्षण ने 50 फीसदी की सीमा पार कर दी है। ऐसे में यह सुप्रीम कोर्ट की तरफ से 6 मई को जारी आदेश का उल्लंघन

है। सिंह ने कहा कि आदेश में चुनाव आयोग को जुलाई 2022 में आई बांठिया आयोग की रिपोर्ट से पहले के ओबीसी निर्देशों का पालन करने के आदेश दिए गए थे। एडवोकेट सिंह सिंह और नरेंद्र हुड्डा ने दावा किया कि 40 प्रतिशत से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा का उल्लंघन किया गया, जबकि कुछ स्थानों पर यह लगभग 70 प्रतिशत है।

■ **क्या बोला कोर्ट**

बेंच ने कहा कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव 2022 की जे के बांठिया आयोग की रिपोर्ट से पहले की स्थिति के अनुसार ही कराए जा सकते हैं, जिसमें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणियों में 27 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की गई थी। शीर्ष न्यायालय का कहना है कि अब जब बांठिया आयोग की सिफारिशों को राज्य सरकार ने पूरी तरह लागू नहीं किया है, तो स्थानीय निकाय के चुनाव जुलाई 2010 से पहले लागू क्षेत्रों में ओबीसी आरक्षण के हिसाब से होंगे। महाराष्ट्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अनुरोध पर पीठ ने मामले की सुनवाई 19 नवंबर के लिए तय की, लेकिन राज्य सरकार से कहा कि वह 50 प्रतिशत की सीमा से आगे न बढ़े।

शीर्ष अदालत ने कहा, 'अगर दलील यह है कि नामांकन शुरू हो गया है और अदालत को अपना काम रोक देना चाहिए, तो हम चुनाव पर रोक लगा देंगे। इस अदालत की शक्तियों का इम्तिहान न लें।'

पीठ ने कहा, "हमारा संविधान पीठ द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को पार करने का कभी इरादा नहीं था। हम दो न्यायाधीशों वाली पीठ में बैठकर ऐसा नहीं कर सकते। बांठिया आयोग की रिपोर्ट अब भी न्यायालय में विचाराधीन है, हमने पहले की स्थिति के अनुसार चुनाव कराने की अनुमति दी थी।"

शीर्ष अदालत ने उन याचिकाओं पर भी नोटिस जारी किया, जिनमें आरोप लगाया गया है कि कुछ मामलों में राज्य के स्थानीय निकाय चुनावों में आरक्षण 70 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

महाराष्ट्र में चुनाव

महाराष्ट्र में 246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों के लिए चुनाव दो दिसंबर को होंगे, जबकि मतगणना तीन दिसंबर को होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 नवंबर थी और 18 नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। 21 नवंबर तक नामांकन वापस लिए जा सकेंगे, जबकि चुनाव चिह्न और उम्मीदवारों की सूची 26 नवंबर को प्रकाशित की जाएगी।

शाह ने तय की थी नक्सली हिड़मा की डेडलाइन

छत्तीसगढ़- आंध्र प्रदेश बॉर्डर पर मरेडमिल्ली जंगल में मंगलवार सुबह हुए एनकाउंटर में 6 नक्सली मारे गए।

■ **12 दिन पहले ही मार दिया गया**

■ **76 CRPF जवानों की हत्या का था मास्टरमाइंड**

देश के सबसे खतरनाक नक्सल कमांडरों में शामिल माड़वी हिड़मा छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश बॉर्डर पर मरेडमिल्ली जंगल में मंगलवार सुबह हुए एनकाउंटर में मारा गया है। उसकी पत्नी राजे उर्फ रजक्का और 4 अन्य नक्सलियों को भी ढेर कर दिया गया है। न्यूज एजेंसी ANI ने छत्तीसगढ़ पुलिस के हवाले से इसकी पुष्टि की है।

एजेंसी रिपोर्ट के मुताबिक, गृहमंत्री अमित शाह ने सुरक्षाबलों को हिड़मा को खत्म करने के लिए 30 नवंबर तक की डेडलाइन दी थी। इसके बाद आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की सीमा पर स्थित मरेडमिल्ली के घने जंगलों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। इसी ऑपरेशन में हिड़मा डेडलाइन से 12 दिन पहले ही मार गिराया गया है।

हिड़मा पिछले 2 दशक में हुए 26 से ज्यादा बड़े नक्सली हमलों का मास्टरमाइंड रहा है। इसमें 2010 दंतेवाड़ा हमला भी शामिल है, जिसमें 76 CRPF जवान शहीद हुए थे। इसके अलावा 2013 में झीरम घाटी हमले, 2021 सुकमा-बीजापुर हमले में भी हिड़मा की भूमिका रही है।

इधर छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के एर्राबोर थाना क्षेत्र में भी एक दूसरी मुठभेड़ हुई है, इसमें नक्सलियों के घायल होने की खबर है। दोनों जगहों पर सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ऑपरेशन टीम से फोन पर बात कर उन्हें बधाई दी है।

धमाके से पहले डॉ. शाहीन-मुजम्मिल ने खरीदी कार

■ **कैश में पेमेंट; गहरी साजिश का खुलासा**

नई दिल्ली. दिल्ली बम धमाके मामले में आरोपी शाहीन सईद और मुजम्मिल शकील को लेकर कुछ नए खुलासे हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इन दोनों ने नई मारुति सुजुकी ब्रेजा खरीदी थी, जो विस्फोटक सामग्री ले जाने या बम पहुंचाने के लिए तैयार की जा रही 30 कारों में से एक थी। जांचकर्ताओं से जुड़े सूत्रों ने मंगलवार को एनडीटीवी को यह जानकारी दी।

हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े

दोनों डॉक्टरों शाहीन सईद और मुजम्मिल शकील गिरफ्तार हो चुके हैं। इन्होंने 25 सितंबर को शोरूम में सिल्वर रंग की यह कार खरीदी थी, जिसके तस्वीरें सामने आई हैं। सूत्रों के हवाले से बताया गया कि उन्होंने पेमेंट कैश में किया था।

बीते सोमवार को लाल किले के पास हुंडई i20 कार में धमाका हुआ, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, यह गाड़ी उन 30 कारों में शामिल थी जिन्हें सीरियल धमाकों को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किया जाना था। इन हमलों का निशाना कई जगहें थीं, जिनमें दिल्ली में छह ठिकाने शामिल थे। ये हमले 6 दिसंबर को होने वाले थे। ये वही तारीख है जब 1992 में उत्तर प्रदेश के अयोध्या में भीड़ ने 16वीं शताब्दी की बाबरी मस्जिद को गिरा दिया था।

कई गाड़ियां हो चुकीं बरामद

रिपोर्ट में बताया गया कि अब तक कई गाड़ियां बरामद हो चुकी हैं। इनमें वो ब्रेजा भी शामिल है जिसकी रजिस्ट्रेशन नंबर HR 87U 9988 है और यह हरियाणा में रजिस्टर्ड है। यह गाड़ी फरीदाबाद स्थित अल-फलाह स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर के कैंपस से बरामद हुई। यूनिवर्सिटी अब दिल्ली कार बम कांड की जांच के केंद्र में है। पिछले सोमवार को एक मारुति स्विफ्ट डिजायर जब्त की गई थी, जिसमें असॉल्ट राइफल और गोला-बारूद मिला था। बुधवार को फरीदाबाद में लाल रंग की फोर्ड इकोस्पोर्ट भी मिली थी।

नई दिल्ली में 3 अदालतों, 2 स्कूलों को बम की धमकी

नई दिल्ली. दिल्ली की 3 जिला अदालतों और 2 स्कूलों को मंगलवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। साकेत कोर्ट, पटियाला हाउस कोर्ट और द्वारका कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने सभी अदालतों को खाली करवा लिया गया और जांच शुरू कर दी गई है।

रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि धमकी भरा मेल जैश-ए-मोहम्मद नाम की मेल आईडी से भेजा गया था। इसके बाद तीनों कोर्ट कैंपस में बम स्कवॉड जांच कर रहा है।

सऊदी में ही दफनाए जाएंगे 45 भारतीयों के शव

मुआवजा भी मुश्किल; बस-टैंकर भिड़ंत में हुई थी मौत, उमरा के लिए जा रहे थे

मक्का. सऊदी अरब के मक्का-मदीना हाईवे पर रविवार देर रात हुए बस हादसे में जान गंवाने वाले 45 भारतीय नागरिकों के शव वापस नहीं लाए जाएंगे। ये सभी उमरा (इस्लामी तीर्थयात्रा) के लिए सऊदी गए थे। तेलंगाना मंत्रिमंडल ने कल फैसला लिया है कि मारे गए लोगों को उनके धार्मिक रीति-रिवाजों के मुताबिक सऊदी अरब में ही दफनाया जाएगा। हर पीड़ित परिवार से दो लोग अंतिम संस्कार में शामिल होने सऊदी अरब भेजे जाएंगे।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, परिजन को शव भारत वापस लाने या मदीना के जन्नतुल बकी में दफनाने का ऑप्शन दिया जाएगा। हालांकि सऊदी कानून के मुताबिक शवों की वापसी काफी मुश्किल है। वहीं, पीड़ित परिवारों को तुरंत मुआवजा मिलाना भी काफी मुश्किल है, क्योंकि सऊदी अरब में सड़क दुर्घटनाओं में सरकार की ओर से कोई सीधा मुआवजा नहीं दिया जाता। मुआवजा तभी मिल सकता है जब पुलिस जांच में टैंकर ड्राइवर या कंपनी की गलती साबित हो और परिवार कानूनी दावा दायर करे। यह प्रक्रिया कई महीनों तक चल सकती है।

सऊदी से तीर्थयात्रियों के शव वापस नहीं भेजे जाते

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हज या उमरा यात्रा शुरू करने से पहले तीर्थयात्रियों को एक डिक्लेरेशन फॉर्म पर साइन कराने पड़ते हैं। इसमें क्लियर लिखा होता है कि अगर सऊदी अरब की जमीन पर (मक्का, मदीना या कहीं भी) तीर्थ यात्री की मौत होती है, तो शव को वहीं दफनाया जाएगा।

25 नवंबर को राममंदिर में ध्वजारोहण

■ **मोदी बटन दबाकर फहराएंगे, भागवत भी शामिल**

■ **अमिताभ-सचिन समेत कई हस्तियां भी रहेंगी**

अयोध्या. अयोध्या के राममंदिर के शिखर पर ध्वज फहराने की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। 25 नवंबर को PM नरेंद्र मोदी बटन दबाकर ध्वज को फहराएंगे, उनके साथ मोहन भागवत भी मौजूद रहेंगे। इसके लिए 12 बजे से 12.30 बजे के बीच अभिजीत मुहूर्त तय किया गया है।

बटन दबाने के बाद 10 सेकेंड

में ही ध्वज हवा में फहराने लगेगा। केसरिया रंग के खास ध्वज पर सूर्य, ॐ और कोविदार (अयोध्या का शाही वृक्ष, जो कचनार के नाम से जाना जाता है) के प्रतीक बने हुए हैं। ये सभी चिह्न सूर्यवंश के प्रतीक है। ध्वज को वैदिक मंत्रों के बीच सलामी दी जाएगी। ध्वज फहराते ही मंदिर परिसर में घंटे-घड़ियाल बजने लगेंगे।

राम मंदिर में पहली बार राम-सीता विवाह उत्सव मनाया जा रहा है। इस दौरान 8 हजार लोगों के पहुंचने का अनुमान है। इनमें से ढाई हजार लोगों के रुकने के लिए तीर्थ पुरम में टेंट सिटी बसाई जा रही है। 25 नवंबर को VIP मूवमेंट की वजह से आम लोग दर्शन नहीं कर सकेंगे।

ऑटोमैटिक फ्लैग होस्टिंग से ध्वज बदलेगा

ध्वज फहराने के लिए ऑटोमैटिक फ्लैग होस्टिंग सिस्टम लगाया गया है। ध्वज बदलने के लिए भी इस सिस्टम की मदद ली जाएगी। हालांकि, ट्रस्ट ने अभी ये नहीं क्लियर किया है कि कितने-कितने अंतराल के बाद ये ध्वज बदला जाएगा। हवा के बहाव के साथ ध्वज 360 डिग्री पर घूम सकेगा।

लॉरेंस का भाई अनमोल अमेरिका से इंडिया लाया जा रहा

नई दिल्ली. गैंगस्टर लॉरेंस का भाई अनमोल अमेरिका से भारत लाया जा रहा है। उसके 19 नवंबर को भारत पहुंचने की उम्मीद है। अनमोल पर NCP नेता बाबा सिद्दीकी और पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के मर्डर का आरोप है। अनमोल का नाम एक्टर सलमान खान के घर पर फायरिंग केस में भी सामने आया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को ईमेल भेजकर अनमोल के डिपोर्टेशन की जानकारी दी। इसमें लिखा है- यह ईमेल आपको सूचित करने के लिए है कि अनमोल बिश्नोई को फेडरल गवर्मेंट ने अमेरिका से निकाल दिया है।

अल फलाह में डॉ. निसार की पत्नी-बेटी हाउस अरेस्ट

■ **10 MBBS छात्रों के मोबाइल जब्त**

■ **यूनिवर्सिटी कैंपस से बाहर निकलने पर रोक**

फरीदाबाद. दिल्ली बम ब्लास्ट के बाद जांच एजेंसियां फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी पर शिकंजा कसती जा रही हैं। जांच एजेंसियों ने आतंकी मॉड्यूल से जुड़े डॉ. निसार उल हसन की डॉक्टर पत्नी और MBBS कर रही बेटी को यूनिवर्सिटी कैंपस में ही हाउस अरेस्ट किया है।

इनके अलावा MBBS के 10

और छात्रों के यूनिवर्सिटी कैंपस से बाहर जो पर रोक लगाई गई है। इनके मोबाइल जांच एजेंसियों के पास हैं। मोबाइल की कॉल डिटेल रिकॉर्डिंग व अन्य डेटा चेक किया जा रहा है।

डॉ नासिर हसन अल-फलाह यूनिवर्सिटी में मेडिसन विभाग के प्रोफेसर है। वह दिल्ली में लाल किले के सामने बम ब्लास्ट में खुद को उड़ाने वाले आतंकी डॉ उमर नबी, डॉ मुजम्मिल शकील और डॉ शाहीन सईद के संपर्क में था। 10 नंवबर को हुए दिल्ली ब्लास्ट के बाद डॉ. नासिर फरार हो गया। बाद में जांच एजेंसियों ने पश्चिमी बंगाल से गिरफ्तार किया।

जम्मू-कश्मीर में भी आतंकी नेटवर्क का हिस्सा रहा डॉ. निसार

जांच से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि डॉ. निसार पहले से ही इस आतंकी नेटवर्क का हिस्सा था। वो जम्मू-कश्मीर में रहते हुए भी विवादों में आया था। तब वह श्रीनगर में SMHS अस्पताल में असिस्टेंट प्रोफेसर था। वहां साल 2023 में जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा बर्खास्त किया गया। आरोप था कि उसकी गतिविधियां राज्य की सुरक्षा के खिलाफ थी।

डॉ. उमर, आदिल व मुजम्मिल के संपर्क में था

डॉ. निसार पहले से ही डॉ. उमर नबी, डॉ. आदिल और डॉ. मुजम्मिल के संपर्क में था। जिसके कारण अल फलाह यूनिवर्सिटी में आसानी से नियुक्ति मिल गई और जॉइन से पहले उसका बैकग्राउंड तक चेक नहीं किया गया।

विमेंस प्रीमियर लीग की शुरुआत 7 जनवरी से

■ **मुंबई में लीग मैच, बड़ौदा में फाइनल खेला जा सकता है**

■ **27 नवंबर को मेगा ऑक्शन**

विमेंस प्रीमियर लीग के चौथे सीजन की शुरुआत 7 जनवरी से होगी। फाइनल 3 फरवरी को खेला जा सकता है। क्रिकबज के अनुसार, टूर्नामेंट के शुरुआती लीग मैच मुंबई के DY पाटिल स्टेडियम में खेले जा सकते हैं, जिसने हाल ही में विमेंस वर्ल्ड कप फाइनल की मेजबानी की थी।

बाकी मैचों के लिए बड़ौदा को चुना गया है, जिसमें कोटांबी स्टेडियम में होने वाला फाइनल भी शामिल है। बड़ौदा में मुकाबले 16 जनवरी से शुरू हो सकते हैं, क्योंकि इसी मैदान पर 11 जनवरी को भारत-न्यूजीलैंड का वनडे मैच खेलना है। टूर्नामेंट का पहला मेगा ऑक्शन इसी महीने 27 नवंबर को दिल्ली में होगा।

पिछले सीजन में 4 शहरों ने की थी मेजबानी

WPL के तीसरे सीजन की मेजबानी 4 शहरों ने की थी। इनमें लखनऊ, बेंगलुरु, मुंबई और बड़ौदा शामिल थे। BCCI ने अभी फ्रेंचाइजी मालिकों को आधिकारिक रूप से नहीं बताया है कि इस बार मैच किस शहर में होंगे, लेकिन अनौपचारिक बातचीत में इन्हीं वेन्यूज पर चर्चा चल रही है।

जनवरी में क्यों हो रहा WPL

अभी तक विमेंस प्रीमियर लीग के तीनों सीजन मार्च में खेले गए हैं। पहली बार टूर्नामेंट जनवरी में कराया जाएगा। इसके पीछे दो मुख्य वजह हैं- 1. पुरुषों का टी-20 वर्ल्ड कप फरवरी के पहले हफ्ते से भारत और श्रीलंका में शुरू हो रहा है, जो एक महीने चलेगा। 2. जनवरी को WPL की स्थायी विंडो माना जा रहा है, ताकि लीग की तारीखें किसी अन्य टी-20 लीग या ICC के फ्यूचर टूर प्रोग्राम से न टकराएं।

BLO की खुदकुशी के बाद केरल में ठप हो गया SIR का काम

■ **कांग्रेस बोली- CPI (M) जिम्मेदार**

केरल में बूथ लेवल ऑफिसर्स के विरोध की वजह से सोमवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया बुरी तरह बाधित हो गई है। कन्नूर में एक बीएलओ के आत्महत्या करने के बाद, राज्य सरकारी कर्मचारी और शिक्षक कार्य परिषद, शिक्षक सेवा संगठनों की संयुक्त समिति और केरल एनजीओ संघ ने कार्य बहिष्कार की घोषणा की है। कर्मचारी संगठनों ने एक बयान में कहा कि राज्य भर में बूथ लेवल आफिसर (बीएलओ) सोमवार को कोई काम नहीं करेंगे। वहीं कांग्रेस ने कहा है कि सीपीआई (एम) कार्यकर्ताओं की धमकी की वजह से अधिकारी ने खुदकुशी की थी।

राज्य में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला है कि सीपीआई (M) कार्यकर्ताओं ने मृतक अधिकारी जॉर्ज को खुदकुशी के लिए उकसाया था। उन्होंने कहा, एन्युमरेशन के दौरान कांग्रेस के बूथ लेवल एजेंट साथ चले गए

और इसलिए जॉर्ज को धमकाया जा रहा था। उन्होंने कहा कि सीपीआई (एम) किसी भी तरह से कांग्रेस के पारंपरिक मतदाताओं के नाम कटवाना चाहती है। उन्होंने कहा है कि चुनाव आयोग को बीएलओ की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। ज्यादातर बीएलओ महिलाएँ हैं। हर बूथ पर 700 से 1200 वोटर होते हैं। टारगेट पूरा करने के लिए उन्हें एक-एक घर को कई बार जाना पड़ता है। ऐसे में उनकी सुरक्षा का ध्यान रखना भी चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है।

केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय और सभी जिलों के कलेक्ट्रेट पर संयुक्त विरोध मार्च भी की जा रही है। संगठनों ने आरोप लगाया कि (मतदाता सूची के) विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया और आगामी स्थानीय निकाय चुनावों से संबंधित कार्य दायित्वों की वजह से बीएलओ गंभीर दबाव में हैं। हालांकि सभी राजनीतिक दलों और कई संगठनों ने मांग की है कि एसआईआर को स्थगित कर दिया जाए, लेकिन चुनाव आयोग ने कथित तौर पर इनकार कर दिया है।

बयान में कहा गया है, ''इसके बजाय, इसने बहुत ही कम समय में उच्च लक्ष्यों के साथ अवास्तविक कार्यभार थोप दिया। यह दबाव बीएलओ को आत्महत्या की ओर धकेल रहा है।' कन्नूर के पय्यान्नूर में 44 वर्षीय बीएलओ अनीश जॉर्ज का शव रविवार को उनके घर में फंदे से लटका मिला था। परिवार के सदस्यों और स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि उन्होंने एसआईआर से जुड़े कामकाज के दबाव के कारण यह कदम उठाया।

केरल विधानसभा में विपक्ष नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीसन ने कहा कि जॉर्ज की मौत से संबंधित मामले की गहन जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी बीएलओ पर काम का अत्यधिक बोझ है। उन्होंने निर्वाचन आयोग और राज्य सरकार से उचित जांच करने और स्पष्टीकरण देने का आग्रह किया।

हर 8 मिनट में लापता हो रहा एक बच्चा

■ **सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता;**

■ **सख्त निर्देश जारी**

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक समाचार पर चिंता जताई, जिसमें दावा किया गया है कि देश में हर 8 मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है। न्यायालय ने इसे गंभीर मुद्दा बताया। जज बीवी नागरत्ना और जज आर महादेवन की पीठ ने कहा कि देश में गोद लेने की प्रक्रिया जटिल है और उसने केंद्र से इस प्रणाली को सुव्यवस्थित करने को कहा। नागरत्ना ने कहा, 'मैंने अखबार में पढ़ा है कि देश में हर आठ मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है। मुझे नहीं पता कि यह सच है या नहीं। लेकिन यह एक गंभीर मुद्दा है।'

शीर्ष अदालत ने कहा कि चूंकि गोद लेने की प्रक्रिया कठोर है इसलिए इसका उल्लंघन होना स्वाभाविक है। लोग बच्चा पाने के लिए अवैध तरीके अपनाते हैं।

सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने लापता बच्चों के मामलों से निपटने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने के वास्ते 6 सप्ताह का समय मांगा। बहरहाल, उच्चतम न्यायालय ने छह सप्ताह का समय देने से इनकार कर दिया और एएसजी को 9 दिसंबर तक प्रक्रिया पूरी करने को कहा। पीठ ने 14 अक्टूबर को केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि वह सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लापता बच्चों के मामलों को संभालने के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति करे। साथ ही, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से संचालित मिशन वात्सल्य पोर्टल पर प्रकाशन के लिए उनके नाम और संपर्क विवरण उपलब्ध कराए। जब भी पोर्टल पर किसी गुमशुदा बच्चे के बारे में शिकायत प्राप्त हो तो सूचना को संबंधित नोडल अधिकारियों के साथ साझा किया जाना चाहिए।

अंबरनाथ नगरपरिषद, अंबरनाथ

जा.क्र. अंनप/निवडणूक/१०००/२०२५-२६ दिनांक : १७/११/२०२५

अंबरनाथ नगरपरिषद सार्वत्रिक निवडणूक-2025
अंतिम प्रभागनिहाय पुरवणी मतदार यादी प्रसिध्दी जाहिर सूचना

अंबरनाथ नगरपरिषद, जिल्हा-ठाणे सन २०२५ मध्ये होणा*या सार्वत्रिक निवडणूकीसाठी तयार करण्यात आलेली अंतिम प्रभागनिहाय पुरवणी मतदार यादी अंबरनाथ नगरपरिषद कार्यालयाच्या सुचना फलक व नगरपरिषद कार्यालयाच्या http://mahaulb.in/PortalSite/#/app/home या संकेतस्थळावर नागरिकांच्या माहितीकरिता दि. १७/११/२०२५ रोजी प्रसिध्द करण्यात आलेली आहे.

सही/-
(विजयानंद शर्मा)
प्राधिकृत अधिकारी तथा
उपविभागीय अधिकारी, उल्हासनगर

शिक्का

संक्षेप...

उलवे नोड में सिडको की बड़ी कार्रवाई

नवी मुंबई. सिडको के अवैध निर्माण नियंत्रक विभाग ने नवी मुंबई में अवैध निर्माणों के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है. इसी कड़ी में उलवे नोड के सेक्टर 29 स्थित पुष्पक नगर में सिडको की अधिग्रहीत भूमि पर बने अवैध शोरूम के शेड सिडको ध्वस्त कर के 525.00 वर्ग मीटर के भूखंड को अतिक्रमण से मुक्त कराया. यह निर्माण सिडको से बिना किसी आधिकारिक अनुमति के किया गया था. यह कार्रवाई सिडको के मुख्य सतर्कता अधिकारी सुरेश मेंगडे के निर्देशानुसार और मुख्य नियंत्रक अनाधिकृत निर्माण के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक की गई.

ठाणे भविष्य में एक पर्यावरण-अनुकूल शहर होगा : सिद्धेश कदम

- **प्रदूषण नियंत्रण मंडल अध्यक्ष ने ठाणे मनपा में प्रदूषण नियंत्रण के उपायों की समीक्षा की**

ठाणे. पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, एकल-उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं के साथ-साथ आवासीय परिसरों में सीवेज के पुनर्चक्रण के लिए प्रयासरत है। ठाणे एक स्वच्छ और हरा-भरा शहर है, लेकिन अगर हर नागरिक मनपा द्वारा कार्यान्वित गतिविधियों में शत-प्रतिशत भाग लेता है, तो आने वाली पीढ़ी एक अधिक पर्यावरण-अनुकूल ठाणे शहर का अनुभव कर सकेगी, ऐसा महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष सिद्धेश कदम ने आज मनपा में कहा।

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष सिद्धेश कदम की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मनपा आयुक्त सौरभ राव, अतिरिक्त आयुक्त 2 प्रशांत रोडे, नगर अभियंता प्रशांत रोडे, पर्यावरण विभाग की मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रानी शिंदे और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर प्रशासन ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग, मलजल विभाग, प्रदूषण नियंत्रण

विभाग, पशु चिकित्सा विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही गतिविधियों का प्रस्तुतीकरण किया।

ठाणे या किसी भी शहर में प्रदूषण केवल उस शहर तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे राज्य और देश को प्रभावित करता है, इसलिए प्रत्येक शहर के लिए अपने घरों में प्रदूषण को नियंत्रित करने के तरीकों पर दूसरों के साथ विचारों का आदान-प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है। अध्यक्ष ने बताया कि महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने शहर में निर्माणाधीन इमारतों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए रेडी मिक्स प्लांट को ढकने, रेडी मिक्स परिवहन के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहनों के टायरों की धुलाई जैसे विभिन्न मामलों में नगर निगम को पहले ही निर्देश दे दिए हैं और इस पर अमल किया जा रहा है तथा इसे और अधिक प्रभावी ढंग से करने की आवश्यकता है।

उन्होंने यह भी बताया कि यदि शहर में आने वाले बड़े वाहनों के टायरों की धुलाई शहर के प्रवेश द्वार पर ही की जाए, तो शहर में उन टायरों से निकलने वाली धूल की मात्रा कम होगी और इससे सड़कों पर धूल पर नियंत्रण होगा। अध्यक्ष ने इस बैठक में नागरिकों द्वारा सार्वजनिक वाहनों का अधिकतम उपयोग कैसे किया जाए, इसके लिए एक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने निर्देश दिया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए मौके पर इस्तेमाल की जाने वाली टोगो वैन का अधिक उपयोग किया जाना चाहिए और यदि आवश्यक हो, तो मनपा महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल से इसके लिए अनुरोध करे। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में गीले और सूखे कचरे को बड़े पैमाने पर अलग करने के लिए जन जागरूकता पैदा की जानी चाहिए। समय-समय पर स्वच्छता अभियान चलाकर सड़कों की सफाई की कार्रवाई की जानी चाहिए। यदि आवश्यक हो, तो मनपा महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल से सफाई मशीन की मांग दर्ज कराए।

सरकार को बड़े पार्कों में आधुनिक सीवरेज उपचार संयंत्र स्थापित करने चाहिए और उपचारित सीवरेज का उपयोग वृक्षारोपण के लिए करना चाहिए। निर्माण पेशेवरों को कम लागत वाले वायु सेंसर लगाने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए। साथ ही, बूचड़खानों से आने वाले कचरे की उचित योजना बनाई जानी चाहिए। साथ ही, बैठक में महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अध्यक्ष सिद्धेश कदम ने वायु प्रदूषण नियंत्रण के उपाय करने के सुझाव दिए।

ठाणे मनपा ने मनाया वरिष्ठ नागरिक दिवस

ठाणे. रामगणेश गडकरी रंगायतन में मनपा एवं वरिष्ठ नागरिक संघ केंद्रीय समिति, ठाणे के सहयोग से विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सांसद नरेश म्हस्के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। वरिष्ठ नागरिक अनुभव का खजाना होते हैं। उनके साथ संवाद बढ़ाना आवश्यक है ताकि सभी उनके अनुभव और जानकारी का लाभ उठा सकें।

सांसद नरेश म्हस्के ने कहा कि उन्होंने ठाणे मनपा द्वारा इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन की शुरुआत से ही पहल की है। सांसद म्हस्के ने कहा कि जीवन के हर मोड़ पर संघर्ष करने वाले वरिष्ठ नागरिकों का हर शब्द अनमोल है।इस

अवसर पर उपायुक्त (सूचना एवं जनसंपर्क) उमेश बिरारी ने माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 से संबंधित अनुभवों को समझाया। वरिष्ठ नागरिक संघ केंद्रीय समिति के अध्यक्ष प्रकाश दिघे ने समिति के कार्यों, वरिष्ठ नागरिक संघ द्वारा आवश्यक सुविधाओं और कार्यालयों के लिए स्थान के बारे में एक वक्तव्य भी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उपायुक्त (सामाजिक विकास) अनघा कदम, समिति के उपाध्यक्ष रवींद्र दलवी मंच पर उपस्थित थे।कार्यक्रम की शुरुआत अधिवक्ता प्रमोद ढोकले द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के मुद्दों और कानून के प्रावधानों पर एक निर्देशित व्याख्यान के साथ हुई। इसके बाद, मेघना और हेमंत साने द्वारा संचालित पुराने मराठी और हिंदी गीतों का एक मनोरंजक कार्यक्रम 'दिल की आवाज़' प्रस्तुत किया गया।इस कार्यक्रम से पहले, हिंदू हृदय सम्राट शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि के अवसर पर, सांसद नरेश म्हस्के ने गडकरी रंगायतन में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उपायुक्त उमेश बिरारी, उपायुक्त अनघा कदम, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी रवींद्र मांजरेकर, उप सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी प्राची डिंगणकर, वरिष्ठ नागरिक संघ केंद्रीय समिति के अध्यक्ष प्रकाश दिघे, एडवोकेट प्रमोद ढोकले आदि उपस्थित थे।

मुंबई-ठाणे में CNG की भारी किल्लत

मुंबई. रविवार शाम आरसीएफ परिसर में GAIL India की मुख्य गैस पाइपलाइन में अचानक आई खराबी ने मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई की पूरी CNG सप्लाई को हिला कर रख दिया। महानगर गैस लिमिटेड (MGL) ने पुष्टि की कि खराबी के कारण कई इलाकों में CNG उपलब्ध ही नहीं हुई, जिसके बाद पंपों पर अफरा-तफरी जैसा माहौल दिखा। चूंकि शहर में ज्यादातर ऑटो-रिक्शा, टैक्सी और कैब CNG पर ही चलते हैं, इसलिए इसका सीधा असर आम लोगों की आवाजाही पर पड़ा।

पंपों पर लंबी कतारें

मुंबई और ठाणे के कई CNG पंपों से ड्राइवरों की किलोमीटर लंबी कतारों की तस्वीरें सामने आईं। कई जगहों पर बोर्ड लगा दिया गया CNG Band Hai, जिससे ऑटो-टैक्सी ड्राइवरों में गुस्सा और चिंता दोनों बढ़ गईं। कांदिवली स्थित MGL CNG स्टेशन पर ड्राइवरों ने बताया कि वे कई घंटों से लाइन में खड़े हैं, लेकिन कोई ठोस अपडेट नहीं दिया गया कि सप्लाई कब तक बहाल होगी।

महाराष्ट्र कैबिनेट बैठक में नहीं पहुंचे शिवसेना मंत्री

- **सोर्स ने कहा- शिंदे की पार्टी भाजपा से नाराज**
- **कार्यकर्ताओं को पाले में करने का आरोप**

मुंबई. महाराष्ट्र में आगामी नगर निकाय चुनावों से पहले मंगलवार को महायुति सरकार की साप्ताहिक कैबिनेट मीटिंग हुई। इसमें शिवसेना के ज्यादातर मंत्रियों नहीं पहुंचे। इससे महाराष्ट्र में राजनीति हलचल बढ़ गई है।

सचिवालय में हुई कैबिनेट बैठक में केवल शिवसेना प्रमुख और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मौजूद थे। सोर्स ने बताया कि शिवसेना अपने सहयोगी भाजपा को यह संदेश देना चाहती है कि उसे भाजपा का शिवसेना के कार्यकर्ताओं और नेताओं को अपने पाले में लाना पसंद नहीं है।

हाल ही में कल्याण-डोंबिवली में शिवसेना के नेताओं के भाजपा में जाने की घटनाओं को इसका मुख्य कारण बताया जा रहा है। हालांकि इसके बाद शिवसेना के मंत्री मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिले और डोंबिवली की घटनाओं पर नाराजगी जताई।

सोर्स ने बताया कि बैठक के दौरान शिवसेना के सभी मंत्री मंत्रालय में मौजूद थे। इसके बावजूद कैबिनेट मीटिंग का हिस्सा नहीं बने। बैठक के बाद शिवसेना के सभी मंत्रियों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बातचीत की।

भाजपा बोली- कोई एक-दूसरे के कार्यकर्ता नहीं लेंगे

इस दौरान शिवसेना मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि हमने फडणवीस से मुलाकात की। उन्हें नेताओं और कार्यकर्ताओं को अपने साथ करने के मामले के बारे में बताया। वे बहुत सहयोगी हैं। ये गलतियां जमीनी स्तर पर होती हैं। इन्हें सुधारा जाएगा।

वहीं, भाजपा नेता और मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि यह तय हुआ है कि वे एक-दूसरे के कार्यकर्ताओं को नहीं लेंगे। कुछ नाराजगी हो सकती है। हमारे मंत्री स्थानीय चुनावों में व्यस्त हैं। भाजपा के आठ मंत्री भी कैबिनेट बैठक में नहीं आए। किसी भी मंत्री ने बैठक का बहिष्कार नहीं किया।

नवी मुंबई में 75 झोपड़ियां जमींदोज

नवी मुंबई. नवी मुंबई मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के निर्देश और अतिरिक्त आयुक्त डॉ. राहुल गेठे और उपायुक्त (अतिक्रमण) डॉ. कैलाश गायकवाड के मार्गदर्शन में मनपा के तुर्भे विभाग द्वारा सानपाड़ा गांव तालाब, रेलवे पटरियों के किनारे और एसटीपी प्लांट के आसपास तोड़ कार्रवाई की गई. इस कार्रवाई के दौरान 75 अवैध झोपड़ियों को जमींदोज किया गया. यह कार्रवाई तुर्भे विभाग के सहायक आयुक्त सागर मोरे के नेतृत्व में की गई. इस कार्रवाई के लिए जेसीबी और 20 मजदूरों का उपयोग किया गया.

समाजसेवक मनोज सिंह का प्रयास रंग लाया

- **विधायक रईस शेख की निधि से मानसरोवर में सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन**

भिवंडी. शहर के पाश रहिवासी क्षेत्र मानसरोवर परिसर में सड़क खराब हो गई थी, जिसकी मरम्मत और निर्माण के लिए स्थानीय निवासियों ने समाजसेवक मनोज सिंह से संपर्क कर भिवंडी पूर्व क्षेत्र के विधायक शेख से मिलकर खराब हुई सड़क को ठीक करने की मांग की. विधायक रईस शेख ने सड़क निर्माण के लिए आवश्यक धन राशि

की स्वीकृति दे दी. निर्माण कार्य को संपन्न कराने हेतु सड़क नर्माण के लिए नारियल फोड़ कर भूमिपूजन किया.उक्त अवसर पर प्रदेश सपा उपाध्यक्ष अजय यादव, भिवंडी शिवसेना उद्धव गुट के शहर प्रमुख प्रसाद पाटील, गोपाल सीताराम सिंह, अनिल सिंह, अभिमन्यु सिंह, इंदु पांडे सहित अन्य स्थानीय नागरिक उपस्थित थे.

78 वर्षीय महिला की स्तन कैंसर की सफल सर्जरी

- **ठाणे सिविल अस्पताल की बड़ी सफलता**

ठाणे. स्तन कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का सामना करना आम मरीजों के लिए एक बड़ी चुनौती होती है। आर्थिक तंगी, इलाज की जटिलताएँ और मानसिक दबाव के कारण सही समय पर इलाज मिलना मुश्किल हो जाता है। हालांकि, ऐसे में ठाणे सिविल अस्पताल ने एक बार फिर नागरिकों का विश्वास जीता है और एक 78 वर्षीय महिला के स्तन कैंसर की गांठ को सफलतापूर्वक निकालकर उसकी जान बचाने में बड़ी सफलता हासिल की है।मैमोग्राफी स्क्रीनिंग वैन में जाँच के दौरान इस बुजुर्ग महिला के स्तन में एक संदिग्ध गांठ पाई गई। उन्हें तुरंत सिविल अस्पताल की ओपीडी में भर्ती कराया गया। इस अचानक निदान से परिवार चिंतित और भयभीत हो गया। शुरुआत में सभी को लगा कि उनकी उम्र के हिसाब से यह बीमारी खतरनाक हो सकती है। हालाँकि, अस्पताल के डॉक्टरों ने परिवार को परामर्श देकर आश्वस्त किया।बाद में इमेजिंग परीक्षणों और कोर नीडल बायोप्सी से पुष्टि हुई कि उनके बाएँ स्तन में डक्टल कार्सिनोमा इन सीटू (DCIS) है। उम्र को देखते हुए, उपचार को और

अधिक सावधानी से करने की आवश्यकता थी।विभिन्न विषयों की टीम द्वारा विचार-विमर्श के बाद, स्तन संरक्षण सर्जरी (लम्पेक्टोमी) करने का निर्णय लिया गया। यह सर्जरी जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलास पवार और अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. धीरज महानगड़े के मार्गदर्शन में की गई।पेरिएरियोलर चीरा तकनीक का उपयोग करके कैंसरग्रस्त क्षेत्र को सुरक्षित रूप से हटा दिया गया। स्तन ऑन्को-प्लास्टिक सर्जन डॉ. रितिका भंडारी ने बताया कि सुंदरता बनाए रखने के लिए प्लास्टिक सर्जरी को शामिल किया गया था। इस सर्जरी ने न केवल बुजुर्ग महिला की जान बचाई, बल्कि जनता के लिए उपलब्ध सरकारी स्वास्थ्य सेवा की विश्वसनीयता भी बढ़ाई।

फिल्म धुरंधर का ट्रेलर हुआ रिलीज

- **लॉन्च इवेंट में भावुक हुए रणवीर सिंह**
- **5 दिसंबर को रिलीज होगी ये मल्टीस्टारर फिल्म**

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर का ट्रेलर आज जारी हो चुका है।4 मिनट 7 सेकेंड का ये ट्रेलर एक्शन सीन, बेहतरीन डायलॉग्स और खून-खराबे से भरपूर है। ट्रेलर में अर्जुन रामपाल का इंटेंस लुक नजर आया है। ट्रेलर की शुरुआत ISI के मेजर इकबाल बने अर्जुन रामपाल के डायलॉग, 'मेजर इकबाल जिन पर मेहरबान हो जाएं, उनका मुस्तकबिल बदल जाता है' से होती है। ट्रेलर में अगला परिचय रणवीर सिंह के किरदार का होता है, जो फिल्म में RAW के खुफिया एजेंट की भूमिका में हैं।

आर.माधवन ने फिल्म में अजय सान्याल की भूमिका निभाई है। उनके किरदार का परिचय डायलॉग- 'मुंह तोड़ने के लिए मुट्ठी बंद करना जरूरी है' से होता है। इसी तरह ट्रेलर सभी किरदारों के बेहतरीन डायलॉग्स से भरपूर है। रहमत डकैत का किरदार निभा रहे अक्षय खन्ना का लुक बेहद इंटेंस है। वो फिल्म में नेगेटिव किरदार निभा रहे हैं। ट्रेलर में उनका डायलॉग है- 'जो वादा किया गया, उसे भूलने की गुस्ताखी मत करना, रहमान डकैत की दी हुई मौत बड़ी कसाई-नुमा होती है'।

संजय दत्त की ट्रेलर में बेहतरीन एंट्री दिखाई गई है, जिसका बैकग्राउंड म्यूजिक स्कोर भी काफी शानदार है।

ट्रेलर लॉन्च इवेंट में भावुक हुए रणवीर सिंह

मंगलवार को फिल्म धुरंधर का ट्रेलर लॉन्च इवेंट रखा गया था, जिसमें फिल्म की स्टारकास्ट मौजूद रही। इस दौरान रणवीर सिंह मीडिया से बातचीत में काफी भावुक हो गए। नम आंखों के साथ एक्टर पसीना पोछते दिखे।

5 दिसंबर को रिलीज होगी धुरंधर

फिल्म धुरंधर को निर्देशन आदित्य धर ने किया है, जो इससे पहले फिल्म ऊरीः द सर्जिकल स्ट्राइक बना चुके हैं। जियो स्टूडियो के बैनर तले बनी ये फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का कंपोजिशन शाश्वत ने किया है, जिसमें सिंगर जैस्मिन और हनुमानकाइंड ने आवाज दी है। इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ सारा अर्जुन फीमेल लीड हैं।

शिव परिवार रिक्शा–टैक्सी कल्याण समिति द्वारा

ईमानदारी की मिसाल

ठाणे. शिव परिवार के अंतर्गत संचालित शिव परिवार रिक्शा–टैक्सी कल्याण समिति के शिवदूत अमरेश कुमार पांडे ने सामाजिक ईमानदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। रिक्शे में मिला एक मोबाइल फोन, जो लगभग 20 हजार रु. कीमत का था, उन्होंने उसके वास्तविक मालिक कैलाश वाल्मीकि को सुरक्षित वापस लौटा दिया। वाल्मीकि ने इस नेक कार्य के लिए अमरेश का हृदय से आभार व्यक्त किया। मोबाइल को शिवशांति प्रतिष्ठान के कार्यालय पर बुलाकर अमरेश जी द्वारा सम्मानपूर्वक सौंपा गया।

इस अवसर पर शिव परिवार व शिव शांति प्रतिष्ठान के संस्थापक एड. विनय कुमार सिंह ने अमरेश पांडे को सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया और उनके सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा "अमरेश जी ने शिव परिवार रिक्शा चालक भाइयों का नाम रोशन किया है। ऐसे कार्य समाज में मानवता और विश्वास को मजबूत करते हैं।" शिव परिवार के शिवदूतों ने कहा कि यह कार्य समिति के मूल्यों — ईमानदारी, सेवा और समाज को और अधिक सशक्त करता है। रिक्शा–टैक्सी चालक भाइयों को प्रेरित किया गया कि वे भी इसी प्रकार सकारात्मक योगदान देते रहें.

ठाणे में कुष्ठ रोग विशेष अभियान

ठाणे. ठाणे जिले में 17 नवंबर से 2 दिसंबर 2025 तक कुष्ठ रोग विशेष अभियान (एलसीडीसी) चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत, शहरी क्षेत्र के झुग्गी-झोपड़ियों और चाल क्षेत्रों में सर्वेक्षण किया जा रहा है और ठाणे मनपा क्षेत्र की कुल 7,22,246 आबादी का सर्वेक्षण किया जा रहा है।भारत सरकार द्वारा जनता को कुष्ठ रोग और इससे होने वाली विकलांगताओं से दूर रखने के लिए हर साल कुष्ठ रोग विशेष अभियान चलाया जाता है। इस अभियान के दौरान, एक पुरुष और एक महिला (आशा कार्यकर्ता) की एक टीम घर-घर जाकर कुष्ठ रोग की जाँच करेगी। ठाणे नगर निगम और चिकित्सा अधिकारी पर्यवेक्षी शहरी कुष्ठ रोग टीम ने नागरिकों से सहयोग करने की अपील की है।यह खोज अभियान कुष्ठ रोग की घटनाओं और कुष्ठ रोग से होने वाली रुग्णता को कम करने में मदद करेगा। इस अभियान में, निदान किए गए कुष्ठ रोगियों को पूरी दवा मुफ्त में उपलब्ध कराई जाएगी। कुष्ठ रोग का इलाज बहुत ही सरल और आसान है। साथ ही, दवा से कुष्ठ रोग पूरी तरह से ठीक हो जाता है, ठाणे के स्वास्थ्य सेवा (कुष्ठ रोग) के सहायक निदेशक ने बताया।

लाडली बहन योजना : 31 दिसंबर तक करा सकते हैं e-KYC

मुंबई. महाराष्ट्र सरकार ने मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना की e-KYC की आखिरी तारीख बढ़ा दी है। पहले यह प्रक्रिया 18 नवंबर 2025 तक पूरी करनी थी, लेकिन अब राज्य सरकार ने डेडलाइन आगे बढ़ा दी है। प्राकृतिक आपदाओं और कई जिलों में हुई दिक्कतों की कारण कई लाभार्थी महिलाएं समय पर e-KYC नहीं कर पाईं। इसके कारण सरकार ने यह फैसला लिया कि e-KYC की तारीख आगे बढ़ाई जाए। मंत्री अदिती एस तटकरे ने भी सोशल मीडिया पर लिखा कि सरकार ने महिलाओं की परेशानी को समझते हुए यह फैसला लिया है।

अब महिलाओं को e-KYC पूरा करने के लिए ज्यादा समय मिल गया है। नई अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2025 तय की गई है। यानी जिन महिलाओं ने अभी तक e-KYC नहीं किया है, वे बिना जल्दबाजी के इसे घर बैठे ऑनलाइन पूरा कर सकती हैं।

सरकार चाहती है कि योजना का पैसा सही महिला तक पहुंचे और बीच में कोई गड़बड़ी न हो। कई बार एक ही नाम से दो-दो आवेदन, गलत बैंक खाते या फर्जी एंट्री की शिकायतें आती थीं। इसी वजह से आधार के जरिए पहचान पक्की करना अनिवार्य किया गया है। सितंबर 2025 के आदेश में भी साफ कहा गया कि Aadhaar Act 2016 की धारा 7 के तहत किसी भी सरकारी लाभ के लिए आधार प्रमाणीकरण जरूरी है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099